संवाद

अंक 07 : जुलाई से सितम्बर 2024
त्रमासिक पत्र

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

एसपीए भोपाल में अपशिष्ट एवं खाद प्रबंधन स्थल की स्थापना

एसपीए भोपाल ने अपने परिसर में अपशिष्ट एवं खाद प्रबंधन स्थल की स्थापना की, इस सुविधा की क्षमता 5.6 टन कचरे की है और इसे संस्थान के संयंत्र प्रयोगशालाओं और परिसर में अन्य बागवानी जरूरतों के लिए उपयोग के लिए खाद में परिवर्तित किया जाएगा। इस सुविधा के संचालन के साथ, परिसर स्थानीय लोगों के साथ स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

संस्थान परिसर में लैंडस्केप योजना

संस्थान परिसर में नए शैक्षिक भवन के समीप, एक परिकल्पित लैंडस्केप योजना बनाई गई है, जो भवन के आस पास की जगहों को एक सुसंगत रूप में एकीकृत करेगी, लैंडस्केप योजना न केवल परिसर को हरा-भरा बनाएगी बल्कि यह एक ऐसा मार्ग भी दिखाएगी जहाँ स्थिरता, दक्षता और सहकारी भावना में सभी विलीन हो जाएं। अंततः, यह डिज़ाइन इस स्थान के प्रत्येक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता के विचारों, दृष्टिकोणों और डिज़ाइन आदर्शों का एक सुंदर प्रमाण बन जाएगा, जो एसपीए विरासत का एक प्रमुख प्रतीक होगा।

संस्थान ने भवनों का नामकरण

संस्थान की इमारतों को पहचान देने और परिसर के भीतर आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए, संस्थान ने भवनों का नामकरण शुरू किया है। ये नाम खूबसूरती से भारत की समृद्ध परंपराओं को दर्शाते हैं और शिक्षकों, छात्रों और परिसर के निवासियों में गर्व की भावना भी पैदा करते हैं।

सतपुड़ा
Satpura

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया था| तदनुसार, इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण संस्थान परिसर के सभा कक्ष में किया गया| उक्त आयोजन में संस्थान के कर्मचारियों, छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज की तथा लाइव प्रसारण से लाभान्वित हुए|

स्वतंत्रता दिवस समारोह

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। एसपीए भोपाल के निदेशक प्रो. कैलासा राव एम. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों की सभा को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में, उन्होंने एसपीए भोपाल परिवार के सभी सदस्यों से संस्थान को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों को बनाए रखने का आह्वान किया।

वास्तुकला विभाग द्वारा बाम्बू डिजाइन ऑफ़ रूफ पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

वास्तुकला विभाग द्वारा 24-25 अगस्त 2024 को “लकड़ी से छत की संरचना और मॉडल” पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला का उद्देश्य: लकड़ी को एक निर्माण सामग्री और पर्यावरण अनुकूल सामग्री के रूप में समझना और उसे निर्माण कार्यों में उपयोग करना था | इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए लकड़ी के माध्यम से विभिन्न प्रकार की छतों की संरचना करते हुए सदस्यों, कार्यात्मक अवधारणाओं को समझना और संरचनात्मक अखंडता के साथ उसका मॉडल बनाया|

छात्रों ने 5-6 के समूहों में काम किया और का उपयोग करके छत का डिज़ाइन तैयार किया। डिजाइन पर प्रत्येक समूह ने उचित पैमाने पर एक मॉडल तैयार किया, जिसमें डिजाइन की गई छत के लिए मजबूत ढांचा बनवाया गया| कार्यशाला के विशेषज्ञ आर्किटेक्ट अनुराग खंडेलवाल थे, जो एक वास्तुकार, शिक्षाविद, पर्यावरणविद् हैं| कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नयना सिंह के साथ गरिमा ताम्रकार, शिवांगी ठाकुर और ब्रशभानलली रघुवंशी ने किया|

हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

संस्थान परिसर में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 02 से 25 सितम्बर 2024 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिंदी पखवाड़े का शुभारंभ 2 सितम्बर को किया गया| संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन व व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे ‘प्रशस्ति पत्र अभिकल्पन, निबंध लेखन, स्वरचित कविता पाठ, गजल एवं भजन, हिंदाक्षरी चित्रांकन एवं गीत जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में संस्थान लगभग 150 संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने अपनी सहभागिता दर्ज की। जिनमें से 41 प्रतिभागियों को पुरूस्कार प्रदान किये गये। हिंदी पखवाड़े के समापन में निदेशक महोदय प्रो. डा. कौलासा राव एम एवं संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रो. अजय खरे द्वारा किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनोज श्रीवास्तव जी, सेवा निवृत्त (IAS), अध्यक्ष परिसीमन आयोग मध्य प्रदेश को आमंत्रित किया गया था। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, निदेशक महोदय एवं संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) ने प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान किये।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

संस्थान परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 15 से 30 सितम्बर 2024 के मध्य मनाया गया। पखवाड़े का दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई|

- तालाब की सफाई पर श्रमदान: राजस्व अधिकारी के मार्गदर्शन में सुरक्षा कर्मियों और हाउस कीपिंग स्टाफ द्वारा परिसर स्थित तालाब की सफाई की गई |
- संस्थान के छात्रों के मध्य निबंध लेखन ओर प्रश्नावली का आयोजन किया गया|
- कागज़ के कचरे का पुर्नउपयोग सिखाया गया|
- कचरे से कला पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया|
- समीप के गाँव बरखेडा सालम के विद्यालय में जागरूकता फैलाने हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया|
- कक्षाओं में अंक ज्ञान व विज्ञान का चित्रण कराया गया|

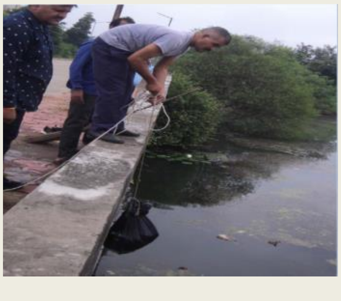

एसपीए भोपाल में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम (एसआईपी) का आयोजन

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में आये नये छात्रों के स्वागत के लिये स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम (एसआईपी) का आयोजन किया। जिसमें नये छात्रों एवं उनके अविभावकों को संस्थान के नियमों व विनियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उददेश्य नये छात्रों को उच्च शिक्षा के वातावरण को सहजता से स्वीकार करना सिखाना और संस्थान की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। इस दौरान, छात्रों को सेल्फ मेनेजमेंट, स्वास्थ्य, संबंध, समाज के बारे में विशेषज्ञों से जानने का मौका मिला। इसके अलावा छात्रों को योग, एरोबिक्स, खेल, क्रियात्मक कार्यशालाएं, पेंटिंग और सांस्कृतिक गतिविधियां भी कराई गई ताकि छात्र एक दूसरे से घुल मिल सकें।

संचार माध्यम में एसपीए की उपस्थिति

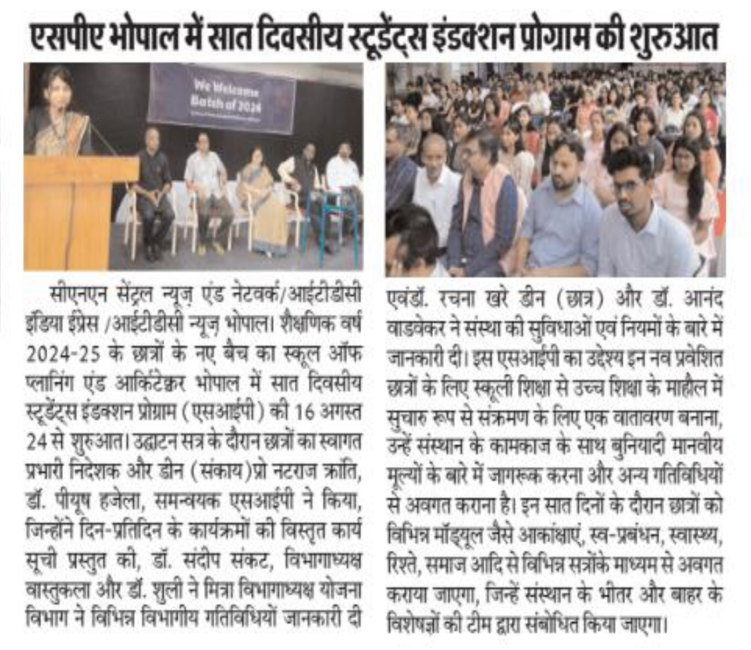

एसपीए भोपाल में सात दिवसीय स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क/आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस /आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के छात्रों के नए बैच का स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल में सात दिवसीय स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम (एसआईपी) की 16 अगस्त 24 से शुरुआत। उद्घाटन सत्र के दौरान छात्रों का स्वागत प्रभारी निदेशक और डीन (संकाय)प्रो नटराज क्रांति, डॉ. पीयूष हजेला, समन्वयक एसआईपी ने किया, जिन्होंने दिन-प्रतिदिन के कार्यक्रमों की विस्तृत कार्य सूची प्रस्तुत की, डॉ. संदीप संकट, विभागाध्यक्ष वास्तुकला और डॉ. शुली ने मित्रा विभागाध्यक्ष योजना विभाग ने विभिन्न विभागीय गतिविधियों जानकारी दी एवंडॉ. रचना खरे डीन (छात्र) और डॉ. आनंद वाडवेकर ने संस्था की सुविधाओं एवं नियमों के बारे में जानकारी दी। इस एसआईपी का उद्देश्य इन नव प्रवेशित छात्रों के लिए स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा के माहौल में सुचारु रूप से संक्रमण के लिए एक वातावरण बनाना, उन्हें संस्थान के कामकाज के साथ बुनियादी मानवीय मूल्यों के बारे में जागरूक करना और अन्य गतिविधियों से अवगत कराना है। इन सात दिनों के दौरान छात्रों को विभिन्न मॉड्यूल जैसे आकांक्षाएं, स्व-प्रबंधन, स्वास्थ्य, रिश्ते, समाज आदि से विभिन्न सत्रोंके माध्यम से अवगत कराया जाएगा, जिन्हें संस्थान के भीतर और बाहर के विशेषज्ञों की टीम द्वारा संबोधित किया जाएगा।

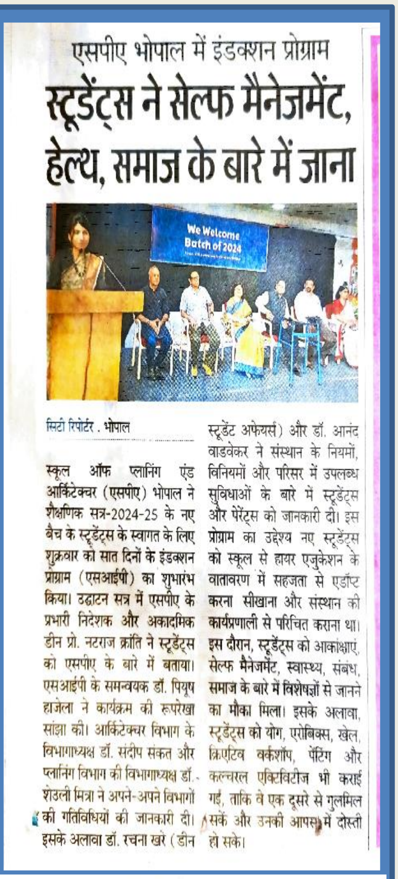

एसपीए भोपाल में इंडक्शन प्रोग्राम

स्टूडेंट्स ने सेल्फ मैनेजमेंट, हेल्थ, समाज के बारे में जाना

We Welcome
Batch of 2024

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल ने शैक्षणिक सत्र-2024-25 के नए बैच के स्टूडेंट्स के स्वागत के लिए शुक्रवार को सात दिनों के इंडक्शन प्रोग्राम (एसआईपी) का शुभारंभ किया। उद्घाटन सत्र में एसपीए के प्रभारी निदेशक और अकादमिक डीन प्रो. नटराज क्रांति ने स्टूडेंट्स को एसपीए के बारे में बताया। एसआईपी के समन्वयक डॉ. पियुष हाजेला ने कार्यक्रम की रूपरेखा सांझा की। आर्किटेक्चर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप संकत और प्लानिंग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शेउली मित्रा ने अपने-अपने विभागों की गतिविधियों की जानकारी दी। इसके अलावा डॉ. रचना खरे (डीन स्टूडेंट अफेयर्स) और डॉ. आनंद वाडवेकर ने संस्थान के नियमों, विनियमों और परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में स्टूडेंट्स और पेरेंट्स को जानकारी दी। इस प्रोग्राम का उद्देश्य नए स्टूडेंट्स को स्कूल से हायर एजुकेशन के वातावरण में सहजता से एडॉप्ट करना सीखाना और संस्थान की कार्यप्रणाली से परिचित कराना था। इस दौरान, स्टूडेंट्स को आकांक्षाएं, सेल्फ मैनेजमेंट, स्वास्थ्य, संबंध, समाज के बारे में विशेषज्ञों से जानने का मौका मिला। इसके अलावा, स्टूडेंट्स को योग, एरोबिक्स, खेल, क्रिएटिव वर्कशॉप, पेंटिंग और कल्चरल एक्टिविटीज भी कराई गई, ताकि वे एक दूसरे से गुलमिल सकें और उनकी आपस में दोस्ती हो सके।

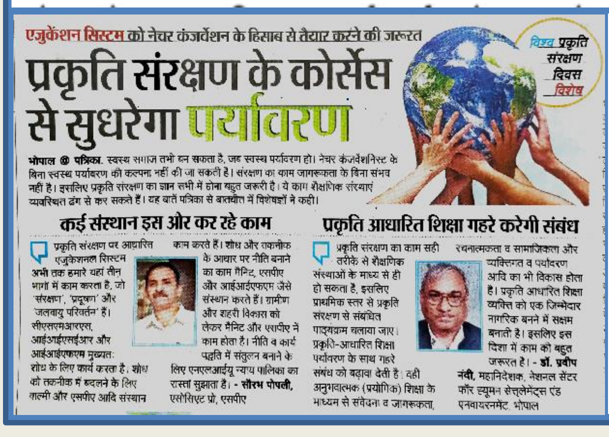

एजुकेशन सिस्टम को नेचर कंजर्वेशन के हिसाब से तैयार करने की जरूरत

प्रकृति संरक्षण के कोर्सेस से सुधरेगा पर्यावरण

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस विशेष

भोपाल @ पत्रिका. स्वस्थ समाज तभी बन सकता है, जब स्वस्थ पर्यावरण हो। नेचर कंजर्वेशनिस्ट के बिना स्वस्थ पर्यावरण की कल्पना नहीं की जा सकती है। संरक्षण का काम जागरूकता के बिना संभव नहीं है। इसलिए प्रकृति संरक्षण का ज्ञान सभी में होना बहुत जरूरी है। ये काम शैक्षणिक संस्थाएं व्यवस्थित ढंग से कर सकते हैं। यह बातें पत्रिका से बातचीत में विशेषज्ञों ने कही।

कई संस्थान इस ओर कर रहे काम

प्रकृति संरक्षण पर आधारित एजुकेशनल सिस्टम अभी तक हमारे यहां तीन भागों में काम करता है, जो 'संरक्षण', 'प्रदूषण' और 'जलवायु परिवर्तन' हैं। सीएसएमआरएस, आईआईएसईआर और आईआईएफएम मुख्यतः शोध के लिए कार्य करता है, शोध को तकनीक में बदलने के लिए वाल्मी और एसपीए आदि संस्थान काम करते हैं। शोध और तकनीक के आधार पर नीति बनाने का काम मैनिट, एसपीए और आईआईएफएम जैसे संस्थान करते हैं। ग्रामीण और शहरी विकास को लेकर मैनिट और एसपीए में काम होता है। नीति व कार्य पद्धति में संतुलन बनाने के लिए एनएलआईयू न्याय पालिका का रास्ता सुझाता है। - **सौरभ पोपली,** एसोसिएट प्रो, एसपीए

प्रकृति आधारित शिक्षा गहरे करेगी संबंध

प्रकृति संरक्षण का काम सही तरीके से शैक्षणिक संस्थाओं के माध्य से ही हो सकता है, इसलिए प्राथमिक स्तर से प्रकृति संरक्षण से संबंधित पाठ्यक्रम चलाया जाए। प्रकृति-आधारित शिक्षा पर्यावरण के साथ गहरे संबंध को बढ़ावा देती है। वहीं अनुभवात्मक (प्रयोगिक) शिक्षा के माध्यम से संवेदना व जागरूकता, रचनात्मकता व सामाजिकता और व्यक्तिगत व पर्यावरण आदि का भी विकास होता है। प्रकृति आधारित शिक्षा व्यक्ति को एक जिम्मेदार नागरिक बनने में सक्षम बनाती है। इसलिए इस दिशा में काम की बहुत जरूरत है। - **डॉ. प्रदीप नंदी,** महानिदेशक, नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेत्तलेमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल

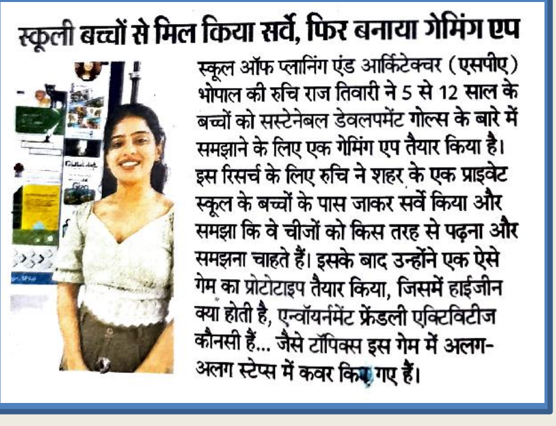

स्कूली बच्चों से मिल किया सर्वे, फिर बनाया गेमिंग एप

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) भोपाल की रुचि राज तिवारी ने 5 से 12 साल के बच्चों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के बारे में समझाने के लिए एक गेमिंग एप तैयार किया है। इस रिसर्च के लिए रुचि ने शहर के एक प्राइवेट स्कूल के बच्चों के पास जाकर सर्वे किया और समझा कि वे चीजों को किस तरह से पढ़ना और समझना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने एक ऐसे गेम का प्रोटोटाइप तैयार किया, जिसमें हाईजीन क्या होती है, एन्वॉयर्नमेंट फ्रेंडली एक्टिविटीज कौनसी हैं... जैसे टॉपिक्स इस गेम में अलग-अलग स्टेप्स में कवर किए गए हैं।